कवन–4

(भाषा सीखने का नया नज़रिया)

श्रवण कौशल
(Listening Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति
कौशल
(Speaking Skills)

पठन कौशल
(Reading Skills)

लेखन कौशल
(Writing Skills)

दृश्य अंवलोकन
कौशल
(Viewing Skills)

पाठ्यपुस्तक	(Text Book)
अभ्यास पुस्तिका	(Work Book)
व्याकरण	(Grammar)
रचनात्मक लेखन	(Creative writing)

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढीर
M.A (Gold Medal), M.Ed, Phd

मनिष कुमार चुड़ासमा
M.Phil, B.Ed

'कवन' में कुछ खास

- उद्देश्य Objectives :- प्रकरण प्रारंभ करने से पूर्व उसके उद्देश्यों से परिचित करवाना।
- विचार मंथन Statement of Inquiry :- प्रकरण के मुख्य विषय (Theme) पर मंथन।
- विचारात्मक प्रश्न Inquiry Questions :- प्रकरण से पूर्व प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ विकसित करना।
- आइए शुरू करें Let's Begin :- प्रकरण प्रारंभ करने से पहले पूर्व भूमिका तैयार करना।
- माइंड मैप Mind Map :- संपूर्ण प्रकरण का कमवार सारांश
- शब्द संपदा Vocabulary :- प्रकरण में आए कठिन शब्दों से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- परिचर्चा Discussion :- इस विभाग के माध्यम से विद्यार्थी कक्षा में चर्चा करेंगे।
- पाठ के साथ-साथ इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी की अन्य विधाओं तथा साहित्यकारों से परिचित कराने का प्रयास किया गया है।
- परियोजना कार्य Project Work :- इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को शोध करके अपना परियोजना कार्य पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- विचार लेखन :- इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को विविध विधाओं के माध्यम से लिखकर अपने विचार अभिव्यक्त करने का अवसर दिया गया है।
- विचाराभिव्यक्ति :- इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थी विविध विचारों को मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकेंगे।
- गतिविधि Activity :- इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यक्तिगत अथवा सामूहिक गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
- स्व मूल्यांकन Self Assessment :- प्रकरण के अंत में विद्यार्थी अपनी समझ का मूल्यांकन स्वयं करेंगे।
- मानदंड Rubrics :- विद्यार्थी अपने किए गए कार्य की जाँच मानदंडों के आधार पर करेंगे।
- अन्य विषयों से संबंध Subject Inegration :- इस विभाग में पाठ को विद्यार्थी द्वारा पढ़े जाने वाले अन्य विषयों से जोड़ा गया है।
- वास्तविक जीवन से संबंध Real life connection :- इस विभाग में पाठ की सीख को वास्तविक जीवन से जोड़ने का प्रयास किया गया है
- वैश्विक संदर्भ Global context :- इस विभाग में पाठ के मूल विषय को वैश्विक संदर्भ में देखने का प्रयास किया गया है।
- चारित्रिक शिक्षा Character Education :- इस विभाग में विद्यार्थियों को अच्छा नागरिक बनाने की दृष्टि से उनके गुणों को विकसित करने का प्रयास किया गया है।

अनुक्रमणिका

गद्य एवं पद्य (Prose and Poetry)				
क्रम	प्रकरण	विधा	भाषायी कौशल (Language Skills)	पृष्ठ संख्या
1	माँ मुझको बंदूक दिला दो	कविता	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	01
2	सुनहरी चिड़िया	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	07
3	समझ	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	14
4	फल–सब्ज़ी की चौपाल	एकांकी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	20
5	तुषार की ईमानदारी	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	29
6	बीरबल का जवाब	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	35
7	गुजरात की अनोखी यात्रा	लेख	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	42
8	साहस और हिम्मत	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	49
9	कोयल	कविता	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	00
10	फूटा घड़ा	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	00

व्याकरण (Grammar)			
1	विराम चिह्न (Punctuation)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	57
2	लिंग (Gender)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	59
3	वचन (Number)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	63
4	संज्ञा (Noun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	68
5	सर्वनाम (Pronoun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	71
6	विशेषण (Adjective)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	75

7	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	79
8	विलोम शब्द (Antonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	80
9	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	81

रचनात्मक लेखन (Creative Writings)			
1	अनुच्छेद लेखन (Paragraph writing)	लेखन कौशल (Writing Skills)	83
2	अपठित गद्यांश (Unseen Passage)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	87
3	चित्र वर्णन (Picture composition)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	98

श्रवण कौशल (Listening Skills)			
1	कहानी (Story)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	108
2	कविता (Poetry)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	110
3	वार्तालाप (संवाद) (Conversation)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	112

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills)			
1	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills)	115

दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills)			
1	दृश्य अवलोकन कौशल	दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills)	119

गद्य एवं पद्य
(Prose and Poetry)

पठन कौशल
(Reading Skills)

- माँ मुझको बंदूक दिला दो
- सुनहरी चिड़िया
- समझ
- फल सब्ज़ी की चौपाल
- तुषार की ईमानदारी
- बीरबल के जवाब
- गुजरात की अनोखी यात्रा
- साहस और हिम्मत
- कोयल
- फूटा घड़ा

तुषार की ईमानदारी

उद्देश्य–

इस कहानी को पढ़ने के बाद–

- विद्यार्थी ईमानदारी के महत्त्व को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी ज़िम्मेदारी को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी समारोह में भाग लेने के लिए प्रेरित होंगे।

विचार मंथन (Statement of Inquiry)

- स्वयं की गलती मानना कठिन काम है। इसके लिए हिम्मत चाहिए।

विचारात्मक प्रश्न (Inquiry Questions)

- कोई बेईमानी से काम कर रहा है तो उसे रोकना चाहिए या नहीं।
- अपनी गलती को आप कैसे बताओगे ?
- परिवार और विद्यालय में से आप पहले किसे महत्त्व देंगे और क्यों ?

आइए शुरू करें –

कोई भी व्यक्ति दूसरे की गलती को तुरंत पकड़ लेता है, पर अपनी गलती को कभी नहीं बताता। गलती मानने या प्रस्तुत करने के लिए हिम्मत की जरूरत पड़ती है। चलो पढ़ते हैं हिम्मत और ईमानदारी की कहानी।

तुषार की ईमानदारी

1. तुषार अपने विद्यालय में होने वाले वार्षिक समारोह को लेकर बहुत उत्साहित था। उसने समारोह के एक नृत्य में भाग जो लिया था। इस नृत्य का वह बार-बार अभ्यास करता था। समारोह में प्रथम पुरस्कार पाने के लिए यह एड़ी चोटी का ज़ोर लगा रहा था।

2. समारोह के दिन वह बड़े सवेरे जाग गया। घर में अजीब-सी शांति थी। वह दीदी के कमरे में गया, लेकिन वह नहीं थी। उसने पूरा घर छान लिया, पर दीदी कहीं नज़र न आई। आखिर उसने माँ से पूछ ही लिया।

''माँ, दीदी कहाँ है ?''

3. ''रात को तुम्हारी दीदी के पेट में बहुत दर्द उठा था। तुम्हारे पिताजी उसे अस्पताल ले गए हैं। वह अभी वहीं है।'' माँ ने कहा। तुषार एकदम उदास हो गया। उसकी आँखें भर आई। ''क्या तुम मेरे साथ दीदी को देखने चलोगे ? दोपहर को मैं अस्पताल जाने वाली हूँ।

4. तुषार अपनी दीदी से बहुत प्यार करता था। एक तरफ विद्यालय में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उत्साहित था तो दूसरी ओर दीदी की बीमारी। समारोह तो अगले साल भी होगा। यह सोचकर उसने तुरंत कहा, ''हाँ, मैं साथ चलूँगा।'' वह दुखी होकर अपने कमरे में चला गया।

5. विद्यालय में समारोह संपन्न हो गया। समारोह की सूची में से तीन-चार विषय की प्रस्तुति नहीं हुई। छात्रों की अनुपस्थिति से प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने दूसरे दिन अध्यापकों को बुलाकर कहा, ''मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह में अनुपस्थित थे।''

6. थोड़े ही समय में सभी अनुपस्थिति विद्यार्थियों की सूची उनकी मेज़ पर पहुँच गई। इनमें कक्षा चार की सूची में अधिक नाम थे। उसी कक्षा से दो प्रस्तुति नहीं हुई थी। इसलिए उन्होंने प्रथम वही कक्षा चुनी और अंदर प्रवेश किया।

7. उनके अंदर कदम रखते ही कक्षा में सन्नाटा छा गया। सब इधर - उधर ताकने लगे। सबकी नज़रें झुकी हुई थीं। ''कल कौन-कौन अनुपस्थित था ?'' उन्होंने साल किया। पर किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया न मिलने पर वे आग बबूला हो गए। उन्होंने कठोरता से दूसरा सवाल किया। ''परसों क्या कहा

था मैंने ?'' शीतल ने डरकर जवाब दिया– ''कि सभी को समारोह में उपस्थित रहना होगा।''

8 फिर इस कक्षा के बच्चे सबसे ज़्यादा अनुपस्थित क्यों थे ? इसी कक्षा से दो प्रस्तुति रह गई।'' उन्होंने अधिक कठोर बनकर कहा। उन्होंने कुछ नाम पुकारे और सामने खड़ा कर दिया। ''आपको दो खेल के कालांश से बाहर निकाला जाता है। विद्यार्थियों के सामने देखकर वे बोले। यह तुम लोगों की सज़ा है।''

9 तुषार अपना नाम न सुनकर कुछ कहने के लिए खड़ा हुआ। लेकिन प्राचार्य ने उसे बिठा दिया। वे आगे बोले, ''तुम लोगों को अपनी ज़िम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। समारोह में अनुपस्थिति तुम लोगों की लापरवाही दिखाती है। जो लोग अपनी ज़िम्मेदारी नहीं जानते, वे पीछे रह जाते हैं। उन्हें निराशा और दुख के सिवा कुछ नहीं मिलता। इसलिए अपने विद्यालय से प्यार करो ज़िम्मेदार बनने की आदत डालो।''

10 ये बात समझाकर वे जाने लगे तो तुषार सामने आ गया। ''आपने मेरा नाम क्यों नहीं किया सर ? मैं भी अनुपस्थित था।'' मुझे भी सज़ा दीजिए।'' उसने शर्मिंदगी भरी आवाज़ में कहा। तुषार का मासूम चेहरा देखकर प्राचार्य का चेहरा नरम हो गया। ''तुम इस कक्षा के होनहार और ईमानदार लड़के हो। तुम सज़ा के अधिकारी नहीं हो, क्योंकि अकारण तुम कभी अनुपस्थित नहीं रहते। परंतु तुम्हें भी अपनी ज़िम्मेदारी को समझना होगा।'' प्राचार्य ने कहा।

11 ''अगली बार ऐसी गलती नहीं होगी। मैं इस बात का पूरा ध्यान रखूँगा।'' इतना कहकर तुषार जाने लगा। प्राचार्य तुषार की ईमानदारी को कई क्षण तक देखते रहे। उन्हें गर्व था कि उनके विद्यालय में ईमानदार विद्यार्थी भी हैं।

12 तुषार अपनी जगह पर जाकर बैठ गया। उसे इस बात की खुशी थी कि उसने हिम्मत करके प्राचार्य को सच बात बता दी।

शब्द संपदा

समारोह – उत्सव
उत्साहित – अतिशय आनंद
अजीब – अनोखी
छानना – ढूँढ़ना
संपन्न – पूर्ण
सूची – अनुक्रम, एक के बाद एक
ज़िम्मेदार – जिस पर कार्य करने का भार हो
प्राचार्य – विद्यालय के मुख्य अध्यापक
अनुपस्थित – गैरहाज़िर
प्रदर्शन – प्रस्तुति/कुछ कर दिखाना
प्रतिक्रिया – सामने की तरह से होने वाली क्रिया

मुहावरे
एड़ी चोटी का ज़ोर लगाना – कड़ी मेहनत करना
आँखें भर आना – आँसू आ जाना
सन्नाटा छा जाना – शांति होना
आग-बबूला होना – गुस्सा होना

प्रश्न– 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए–

क– विद्यालय में किस समारोह का आयोजन किया गया था?
ख– माँ ने दीदी के बारे में क्या बताया?
ग– तुषार कैसा लड़का था?
घ– छात्रों की अनुपस्थिति को लेकर प्राचार्य ने क्या कदम उठाए?
ङ– प्राचार्य ने विद्यार्थियों को क्या समझाया?
च– तुषार ने किस तरह ईमानदारी दिखाई?
छ– आप तुषार के स्थान पर होते तो क्या करते?

प्रश्न– 2 खाली स्थान भरो–

क– तुषार _____ में भाग ले रहा था।
ख– पिताजी दीदी को _____ ले गए थे।
ग– बीमारी की बात सुनकर तुषार _____ हो गया।
घ– प्राचार्य का चेहरा _____ हो गया।

प्रश्न– 3 सूची में से उपयुक्त प्रश्न का संबंध जिस अनुच्छेद से है उस वर्ण को कोष्टक में लिखिए।

उदाहरण– (अनुच्छेद 11)(ख) क) तुषार की माँ को क्या हुआ था ?

1– (अनुच्छेद 12)( ) ख) प्राचार्य को किस बात का गर्व था ?

2– (अनुच्छेद 6) ( ) ग) प्राचार्य ने विद्यार्थियों को क्या पुरस्कार दिया ?

3– (अनुच्छेद 10)( ) घ) तुषार को किस बात की खुशी थी ?

ङ) कौनसी कक्षा के नाम सूची में सबसे ज्यादा थे ?

च) प्राचार्य ने तुषार को सज़ा का अधिकारी क्यों नहीं माना ?

प्रश्न– 4 पाठ के आधार पर वक्ता का उनके कथन से मिलान कीजिए। वाक्यांशों के साथ दिए वर्ण को कोष्टक में लिखिए।

1– शीतल ( ) क) अगली बार ऐसी गलती नहीं होगी।

1– माँ ( ) ख) अपने विद्यालय से प्यार करो और जिम्मेदार बनने की आदत डालो।

2– तुषार ( ) ग) सभी को समारोह में उपस्थित रहना होगा।

3– प्राचार्य ( ) घ) दोपहर को मैं अस्पताल जाने वाली हूँ।

प्रश्न– 5 पाठ के शब्दों के अर्थ दायीं ओर से चुनकर उनके वर्ण कोष्टक में लिखिए।

उदाहरण– समारोह (ज) क) जिस पर कोई कार्य करने का भार हो

1– उत्साहित ( ) ख) अपनी तरह का, सबसे अलग

2– अनुपस्थित ( ) ग) किसी कार्य का पूरा होना

3– प्राचार्य ( ) घ) बहुत से कार्यों की तालिका/फेहरिस्त

4– संपन्न ( ) ङ) किया के बदले की जाने वाली किया

5– प्रतिक्रिया ( ) च) किसी व्यक्ति का न होना/गैरहाज़िर

6– ज़िम्मेदार ( ) छ) विद्यालय के मुख्य अध्यापक

7– अज़ीब ( ) ज) किसी विशेष अवसर पर मनाया जाने वाला कार्यक्रम

8– सूची ( ) झ) बहुत ज्यादा जोश अथवा खुशी की भावना

9– प्रदर्शन ( ) ञ) किसी व्यक्ति के द्वारा अपनी कला को दिखाना

प्रश्न– 6 निम्नलिखित अर्थ किस मुहावरे के हैं ? पाठ से ढूँढ़कर लिखिए–

क– आँखों में आँसू आना – _____

ख– शांति छाना – _____

ग– गुस्सा होना – _____

घ– कड़ी मेहनत करना – _____

प्रश्न– 7 संज्ञा के साथ उचित विशेषण का मिलान कीजिए–

1–	तुषार	क) बीमार
2–	प्राचार्य	ख) शांत
3–	घर	ग) ईमानदार
4–	दीदी	घ) कठोर

अन्य विषयों से संबंध (Subject Integration)

Sports – खेलकूद के दौरान निष्पक्ष खेल, नियमों का पालन, ईमानदारी जैसे गुणों को सीखें।

वास्तविक जीवन से संबंध (Real life Connection)

ईमानदारी सिर्फ एक गुण नहीं बल्कि जीवन का एक हिस्सा है। अपने जीवन की उस घटना को याद कीजिए जब आपको विपरीत परिस्थिति में भी ईमानदारी का परिचय दिया हो।

अति प्रभावकारी लोगों की सात आदतें (Conection with 7 habits of highly effective people)

Habit – 4 (Think win-win : Everyone can win)

आगामी (फुटबॉल/क्रिकेट) मैच के लिए योजना बनाइए जिसमें टीम के सभी खिलाड़ियों को बराबर का मौका मिले।

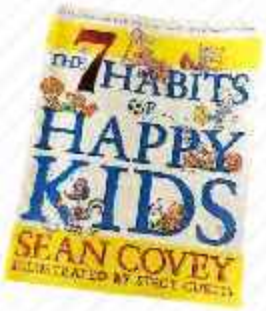

वैश्विक संदर्भ (Global Context)

इंटरनेट की सहायता से पता लगाइए कि कौनसे देश के लोग सबसे ईमानदार होते हैं।

चारित्रिक शिक्षा (Character Education)

विद्यालय में ईमानदारी पर आधारित एक नाटिका प्रस्तुत कीजिए।

समूह चर्चा

कोई व्यक्ति ठीक से काम नहीं करता और समय बर्बाद करता है, उसे कैसे समझाएँगे ? समूह में चर्चा कीजिए।

कहानी के साथ-साथ

'ईमानदार लकड़हारा' कहानी पढ़िए।

परियोजना कार्य

ईमानदार व्यक्तियों के बारे में जानकारी एकत्रित कीजिए।

विचार लेखन

दुकानदार ग्राहक के साथ बेईमानी कर रहा है। मन में उभरते हुए इस चित्र पर अनुच्छेद लिखिए।

विचाराभिव्यक्ति

व्यक्ति की कौन-कौन सी ज़िम्मेदारी होती है ? इस पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

गतिविधि

अपने प्रिय मित्र के पाँच गुण लिखिए।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं कहानी को भली-भाँति समझ चुका/चुकी हूँ।			
2	मैं कहानी से प्राप्त सीख को अपने जीवन में उतार सकता / सकती हूँ।			
3	मैं कहानी में प्रयुक्त कठिन शब्दों के अर्थ जान चुका/चुकी हूँ।			

व्याकरण एवं शब्दावली
(Grammar and Vocabulary)

- विराम चिह्न (Punctuation)
- वचन (Number)
- संज्ञा (Noun)
- सर्वनाम (Pronoun)
- विशेषण (Adjective)
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(One word substitution)

- विलोम शब्द (Antonyms)
- पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

विराम चिह्न (Punctuation)

उद्देश्य–

- विद्यार्थी विविध विराम चिह्नों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी विविध विराम चिह्नों का सही प्रयोग कर सकेंगे।
- विराम चिह्न के द्वारा किसी भी बात को सरलता से समझा जाता है।

देखिए – तुम बोलो, मत चुप रहो।

तुम बोलो मत, चुप रहो।

कृपया ध्यान दीजिए – यहाँ पर दोनों वाक्यों में शब्द समान हैं, परंतु अर्थ में बहुत अंतर है। दोनों वाक्यों में विराम के स्थान बदल गए हैं। इस कारण उसका अर्थ भी बदल गया है। पहले वाक्य में बोलने के लिए कहा गया है, जबकि दूसरे वाक्य में चुप रहने के लिए कहा गया है।

अतः हम कह सकते हैं कि वाक्यों को बोलने या लिखते समय रुकने या ठहरने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जात है, उसे विराम चिह्न कहते हैं।

कुछ विराम – चिह्न इस प्रकार हैं –

1– पूर्ण विराम (।) – वाक्य के अंत में लगाया जाता है।

जैसे – कल इतवार है।

2– अल्प विराम (,) – कम समय के रुकने पर लगाते हैं।

जैसे – गुजरात, बिहार, केरल तथा असम भारत के राज्य हैं।

3– आश्चर्य चिह्न (विस्मयादिबोधद्ध) (!) – आश्चर्य, नफ़रत, शोक, आदि को प्रकट करने के लिए।

जैसे – अरे! तुम आ गए!

4– प्रश्नवाचक चिह्न (?) – प्रश्न पूछने या लिखने के लिए इस चिह्न को लगतो हैं।

जैसे – उसका नाम क्या है ?

अभ्यास

क– सही विकल्प चुनिए

1– प्रश्न पूछने के लिए कौन–से चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
क– पूर्ण विराम ☐ ख– प्रश्नवाचक चिह्न ☐

2– विस्मय तथा दुख के लिए प्रयुक्त होता है।
क– अल्प विराम ☐ ख– आश्चर्य चिह्न ☐

3– वाक्य के अंत में लगाया जाता है।
क– पूर्ण विराम ☐ ख– अल्प चिह्न ☐

4– थोड़ा रुकने के लिए किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
क– पूर्ण विराम ☐ ख– अल्प चिह्न ☐

ख– निम्नलिखित चिह्नों के नाम लिखिए।

, – _____ ! – _____

। – _____ ? – _____

ग– वाक्यों में प्रयुक्त विराम–चिह्नों को सही करके वाक्य फिर से लिखिए–

1– मैं तो जाने वाला नहीं हूँ?

_____

2– वाह। शाबास। तुमनें तो कमाल कर दिया।

_____

3– तुम खाने में क्या लोगे,

_____

4– विराट। धोनी। और रोहित किकेट खेलने जा रहे हैं।

_____

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं पूर्ण विराम और प्रश्नवाचक चिह्न के बारे में जान चुका/चुकी हूँ।			
2	मैं वाक्य में पूर्ण विराम का उपयोग कर सकता/सकती हूँ।			
3	मैं वाक्य में प्रश्नवाचक चिह्न का उपयोग कर सकता/सकती हूँ।			

अनेक के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

हिंदी भाषा में अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर सकते हैं। अर्थात् हिंदी भाषा में कई शब्दों की जगह पर एक शब्द बोलकर भाषा को प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

1–	जल में विचरण करने वाला	–	जलचर
2–	जो काम से जी चुराए	–	कामचोर
3–	बिना सोचे–समझे किया जाने वाला विश्वास	–	स्वदेशी
4–	जो वर्ष में एक बार हो	–	वार्षिक
5–	जो सदा सत्य बोले	–	सत्यवादी
6–	जिसका भाग्य बहुत अच्छा हो	–	भाग्यवान
7–	जिसमें बल हो	–	बलवान
8–	आज्ञा का पालन करने वाला	–	आज्ञाकारी
9–	नीचे लिखा हुआ	–	निम्नलिखित
10–	जिसे देखकर डर लगे	–	डरावना
11–	जिसमें शक्ति न हो	–	शक्तिहीन
12–	दूसरों की भलाई करने वाला	–	परोपकारी

अभ्यास

दिए गए शब्दों से खाली जगह भरिए।

(आज्ञाकारी, भाग्यशाली, अंधविश्वास, निम्नलिखित, वार्षिक, कामचोर, डरावना)

1– रमेश का मन तो काम में लगता ही नहीं है। वह तो बहुत _____ है।

2– वैज्ञानिक कभी भी _____ में नहीं मानते।

3– निशा हमेशा अपने माता–पिता की बात मानती है। वह तो बहुत _____ है।

4– कल से मेरी _____ परीक्षा शुरू हो रही है।

5– कल रात मैंने एक _____ सपना देखा।

6– मैं बहुत _____ हूँ कि मुझे तुम जैसा मित्र मिला।

7– _____ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

विलोम शब्द (Antonyms)

ऐसे शब्द जो एक–दूसरे के उलटे अर्थ देते हैं, वे विलोम शब्द कहलाते हैं।

1–	अंधकार	–	प्रकाश	11–	लाभ	–	हानि
2–	खूबसूरत	–	बदसूरत	12–	धर्म	–	अधर्म
3–	खुशी	–	उदासी	13–	आदान	–	प्रदान
4–	आशा	–	निराशा	14–	परिश्रमी	–	आलसी
5–	मधुर	–	कटु	15–	घृणा	–	प्रेम
6–	अपमान	–	सम्मान	16–	सुगंध	–	दुर्गंध
7–	रोशनी	–	अंधेरा	17–	बंधन	–	मुक्ति
8–	देश	–	विदेश	18–	सज्जन	–	दुर्जन
9–	मौखिक	–	लिखित	19–	आरंभ	–	अंत
10–	जीवन	–	मरण	20–	उदय	–	अस्त

अभ्यास

प्रश्न–1 विलोम शब्द का मिलान कीजिए–

उदय	मुक्ति
मधुर	अधर्म
धर्म	अस्त
बंधन	कटु

प्रश्न–2 दिए गए शब्द के लिए सही विलोम शब्द चुनिए–

1– अंधकार	क–	प्रकाश	ख–	तिमिर	ग–	उजाला
2– मौखिक	क–	मुख	ख–	लिखित	ग–	मौन
3– लाभ	क–	फायदा	ख–	काम	ग–	हानि
4– घृणा	क–	घर	ख–	प्रेम	ग–	नफरत

प्रश्न–3 दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरिए– (विदेश, सज्जन, मरण)

क– जीवन और _____ प्रभु के हाथ में है।

ख– कई लोग देश _____ में रहते हैं।

ग– दुनिया में दो प्रकार के लोग हैं – दुर्जन और _____ ।

रचनात्मक लेखन
(Creative Writing)

अनुच्छेद लेखन
(Paragraph Writing)

अपठित गद्यांश
(Unseen Passage)

चित्र वर्णन
(Picture Composition)

अपठित गद्यांश (Unseen Passage)

उद्देश्य–

- विद्यार्थियों की व्यक्तिगत योग्यता एवं अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ाना।
- विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना।
- विद्यार्थियों की सोचने समझने की शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में सही जानकारी का चयन करने की शक्ति का विकास करना।

अपठित का अर्थ है – अ+पठित। अर्थात जो पहले न पढ़ा गया हो।

उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- पूरे गद्यांश को दो बार ध्यान से पढ़ें तथा उसका आशय समझें।
- अब आप नीचे दिए गए प्रश्नों को पढ़ें।
- ध्यान से पढ़ने के बाद जिन प्रश्नों के उत्तर मिलते जाएँ उन्हें रेखांकित करते जाएँ।
- जिन प्रश्नों के उत्तर अस्पष्ट रह गए हों उन्हें फिर से सावधानीपूर्वक पढ़ें।
- उत्तर स्पष्ट तथा संक्षिप्त होने चाहिए।
- उत्तर सरल भाषा में लिखें।

एक उदाहरण

एक बार हवा और सूरज में बहस छिड़ गई। हवा ने सूरज से कहा– मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ। सूरज ने हवा से कहा– "मुझमें तुमसे ज़्यादा ताकत है। इतने में हवा की नज़र एक आदमी पर पड़ी। हवा ने कहा– इस तरह बहस करने से कोई फायदा नहीं है। जो इस आदमी का कोट उतरवा दे, वही ज्यादा बलवान है। सूरज हवा की बात मान गया। उसने कहा– ठीक है। दिखाओ अपनी ताकत। हवा ने अपनी ताकत दिखानी शुरू की।

प्रश्न – किसमें बहस छिड़ गई ?

उत्तर – हवा और सूरज में बहस छिड़ गई।

प्रश्न – हवा ने सूरज से क्या कहा ?

उत्तर – हवा ने सूरज से कहा कि मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ।

प्रश्न – सूरज ने हवा से क्या कहा ?

उत्तर – सूरज ने हवा से कहा कि मेरे अंदर तुमसे अधिक ताकत है।

प्रश्न – हवा की नज़र किस पर पड़ी ?

उत्तर – हवा की नज़र एक आदमी पर पड़ी।

प्रश्न – सूरज हवा की कौन–सी बात मान गया ?

उत्तर – सूरज हवा की यह बात मान गया कि जो उस आदमी का कोट उतरवा देगा, वही हम दोनों में से बलवान होगा।

अपठित गद्यांश– 5

संबंध– तुषार की ईमानचारी

गोपाल कृष्ण गोखले बचपन से ही सत्यवादी थे। एक बार उनके शिक्षक ने एक प्रश्न हल करने को दिया। दूसरे दिन जब गृहकार्य देखा गया तो सभी के उत्तर गलत थे। केवल गोपाल ने ही प्रश्न का सही हल निकाला था। शिक्षक ने गोपाल की पीठ ठोकी और सबके सामने उसकी प्रशंसा करने लगे। गोपाल ने उन्हें रोकते हुए रुँधे गले से कहा– गुरु जी, मैं इस प्रशंसा का अधिकारी नहीं हूँ। प्रश्न तो मेरे बड़े भाई साहब ने हल किया है। अतः इसका श्रेय मुझे नहीं मिलना चाहिए। शिक्षक यह सुन बहुत प्रसन्न हुए और बोले– इसमें रोने की बात नहीं। तुमने सच बोला है इसलिए यह पुस्तक मैं तुम्हें पुरस्कार में देता हूँ। यह तुम्हें सदा सत्य बोलने को प्रेरित करती रहेगी।

क– नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1– गोपाल कृष्ण गोखले के कौन–से दो गुण इस घटना से उभरकर आते हैं?

2– गोपाल कृष्ण गोखले ने अपने आपको प्रशंसा का अधिकारी क्यों नहीं समझा?

3– पुस्तक से सदा सत्य बोलने की प्रेरणा कैसे मिलती रहेगी?

ख– निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए–

1– गोपाल कृष्ण बचपन से ही सत्य बोलते थे। (एक शब्द लिखो)

2– गोखले ने रोते हुए स्वीकार किया कि प्रश्न उनके भाई ने हल किया है। (विलोम शब्द लिखो)

3– शिक्षक ने एक प्रश्न घर से हल लाने को कहा।
(वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखो)

अपठित गद्यांश के मानदंड

	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की आवश्यकता
पठन एवं अर्थग्रहण	गद्यांश को समझकर उसके उचित अर्थबोध करने में सक्षम।	गद्यांश को सही ढंग से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	गद्यांश को आंशिक रुप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	गद्यांश को आंशिक रुप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध अस्पष्ट।
व्याकरणिक शुद्धता	विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ सरल, सहज, तथा शुद्ध वाक्य रचना।	विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ शुद्ध वाक्य रचना।	वर्तनी की आंशिक गलतियों के साथ विराम चिह्नों में त्रुटियाँ।	वर्तनी की अधिक त्रुटि के साथ वाक्य रचना।
कार्य प्रस्तुति	अपनी भाषा के साथ प्रभावकारी प्रस्तुति।	अपनी भाषा के साथ उचित प्रस्तुति।	अपनी भाषा के साथ सामान्य प्रस्तुति।	गद्यांश से सीधे–सीधे उत्तर उतारना।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं गद्यांश को पढ़कर समझने में सक्षम हूँ।			
2	मैं गद्यांश के उत्तर अपनी भाषा में लिख सकता/सकती हूँ।			
3	उदाहरण रुपी गद्यांश के माध्यम से अपठित गद्यांश संबंधी मेरी समझ विकसित हुई है।			
4	मानदंड के आधार पर मैं अपने द्वारा लिखे कार्य का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ।			

श्रवण कौशल
(Listening Skills)

कहानी (Story)

कविता (Poem)

वार्तालाप (संवाद)
(Conversation)

श्रवण कौशल (Listening Skills)

श्रवण कौशल

भाषा सीखने का प्रथम चरण 'श्रवण' है। श्रवण एक बुनियादी कौशल है। यह भाषा के चारों कौशलों में से पहला कौशल होता है। यह हमारे बाकी कौशलों को विकसित करता है। किसी बात को सुनने से ही हमारे मानसिक व शारीरिक कार्य संपन्न होते हैं। श्रवण सीखने में सहायक होता है। जो विद्यार्थी की समग्र शिक्षा को प्रभावित करता है। अन्य कौशलों में प्रवीण होने के लिए श्रवण कौशल बेहद जरूरी है।

श्रवण कौशल के उद्देश्य –

- सुनकर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- किसी भी श्रुत सामग्री को मनोयोग पूर्वक सुनने की प्रेरणा प्रदान करना।
- श्रुत सामग्री के विषय को भली–भाँति समझने की योग्यता उत्पन्न करना।
- श्रुत सामग्री का सारांश ग्रहण करने की योग्यता विकसित करना।
- वक्ता के मनोभावों– हर्ष, शोक, कोध, आश्चर्य, घृणा आदि को समझना।
- शुद्ध और अशुद्ध उच्चारण में भेद कर सकना।

श्रवण कौशल के विकास की विधियाँ – श्रवण कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं–

1– श्रुतलेखन
2– भाषण सुनकर
3– समाचार सुनकर
4– उद्घोषणाएँ सुनकर
5– आदेश–निर्देश सुनकर
6– कहानी सुनकर
7– वाद–विवाद सुनकर
8– वार्तालाप सुनकर
9– प्रमुख हस्तियों के साक्षात्कार सुनकर
10– साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर
11– फिल्म समीक्षा सुनकर

कहानी

अब आप एक कहानी सुनेंगे। कहानी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सही विकल्प पर निशान कीजिए।

1- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-
(धर्मपंडित, खरगोश, छत, पेड़)

1.1- _____ पर चिड़ा रहता था।

1.2- _____ ने घोंसले पर अधिकार जमा लिया था।

1.3- चिड़े ने किसी _____ के पास जाने के बात की।

1.4- चिड़ा _____ के लिए दूसरी जगह पर गया।

क- भोजन ☐ ख- लकड़ी ☐ ग- पत्तों ☐

1.5- कहानी में _____ पात्र हैं ?

क- दो ☐ ख- तीन ☐ ग- चार ☐

1.6- चिड़े को वापस आने में _____ का समय लगा।

क- एक दिन ☐ ख- बहुत दिन ☐ ग- कुछ दिन ☐

1.7- कौए की परेशानी का क्या कारण था -

अ- सॉंप ☐ ब- सियार ☐ स- सैनिक ☐

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1.8- कहानी में कौन-सी समस्या बताई गई है ?

1.9- दोनों बिल्ली के पास क्यों गए ?

1.10- कहानी का उचित शीर्षक दीजिए।

कहानी

अब आप एक कहानी सुनेंगे। कहानी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2 – रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

2.1– मुरारी जेब में _____ रखकर चोरी करने जाता था।

(बंदूक, चाकू, काँच के टुकड़े)

2.2– मुरारी का बेटा पढ़ाई में _____ था।

(होशियार, कमज़ोर, सामान्य)

2.3– बेटा _____ की तरह घर पर ही पड़ा रहता था।

(आलसी, बेरोजगार, निर्बल)

2.4– रात के समय बाप–बेटे एक _____ में पहुँचे।

(दुकान, महल, इमारत)

सही विकल्प चुनिए–

2.5– मुरारी का पेशा क्या था ?

क– मज़दूरी ☐ ख– चोरी ☐ ग– नौकरी ☐

2.6– बेटे के ज़्यादा न पढ़ पाने का कारण था –

क– पैसों की कमी ☐ ख– पढ़ाई में अरुचि ☐ ग– पाठशाला का दूर होना ☐

2.7– चोरी की कमाई से घर में क्या फैलता है ?

क– उजाला ☐ ख– अँधेरा ☐ ग– रोग ☐

2.8– मुरारी की आँखों से आँसू क्यों निकले ?

क– बेटे के कहना न मानने के कारण। ☐

ख– बेटे के चोर बन जाने के कारण । ☐

ग– बेटे की बात सुनकर वह भावुक हो गया। ☐

2.9– मुरारी ने अपने बेटे को कैसे रास्ता दिखाया ?

क– गलत ☐ ख– सही ☐ ग– अच्छा ☐

2.10– इस कहानी से क्या सीख मिलती है ?

क– बेईमानी और चोरी से इंसान सुखी रह सकता है। ☐

ख– मेहनत और ईमानदारी से पैसे कमाने चाहिए। ☐

ग– बुद्धि ही बल है। ☐

श्रवण कौशल के मानदंड

मानदंड	सदैव	अधिकतर	कभी-कभी	सुधार की अति आवश्यकता
घटनाक्रम की कमानुसार प्रस्तुति	सुनाई गई प्रस्तुति की सभी घटनाओं को कमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की अधिकतर घटनाओं को कमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की कुछ घटनाओं को कमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की एक-दो घटनाएँ ही याद हैं वो भी कम में नहीं।
शांति एवं सजगता से सुनने की क्षमता	संपूर्ण प्रस्तुति को ध्यान से सुनने की क्षमता	संपूर्ण प्रस्तुति में एक-दो स्थान पर ध्यान भटका था।	संपूर्ण प्रस्तुति में तीन-चार बार ध्यान भटका था।	संपूर्ण प्रस्तुति में बारम्बार ध्यान भटकता रहा।
मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पूर्णतया पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की अधिकांशतः पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की आंशिक पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान करने में असफल
भाषा एवं शब्दावली का उचित प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का विशिष्ट प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में न लिखकर प्रस्तुति की भाषा का प्रयोग करना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग	प्रस्तुति की भाषा को ज्यों-त्यों का उतार देना एवं अति साधारण शब्दावली का प्रयोग

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं श्रवण कौशल पर आधारित प्रश्नों को हल करने में सक्षम हूँ।			
2	मैं श्रवण संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ।			
3	मैं उत्तर लिखते समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता हूँ।			
4	मैं प्रस्तुति के मुख्य विषय एवं विशिष्ट उद्देश्यों की पहचान कर सकता/सकती हूँ।			
5	मानदंड के आधार पर मैं अपनी श्रवण प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ।			

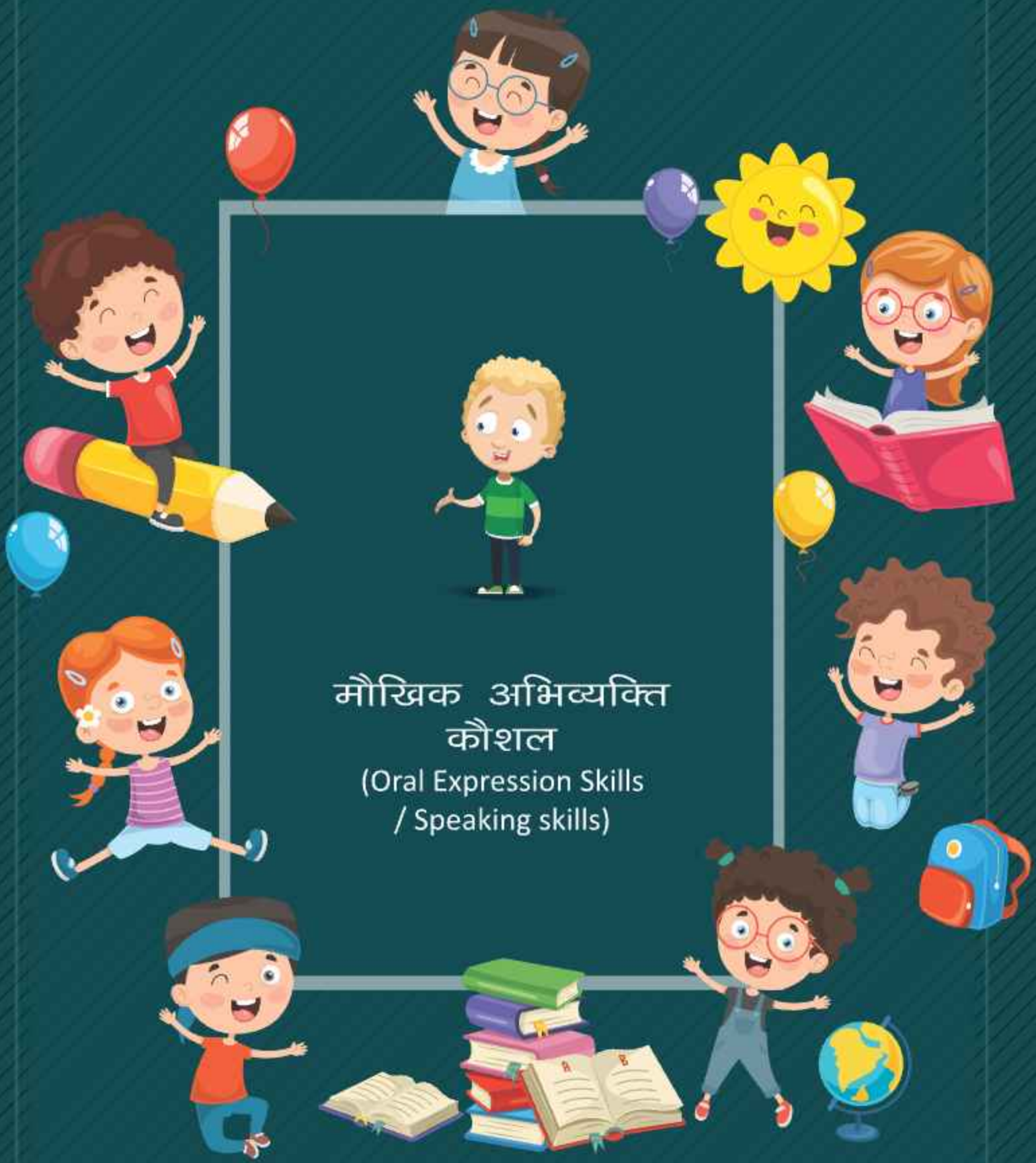

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल

(Oral Expression Skills / Speaking skills)

भाषायी कौशल (Language Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल
(Oral Expression Skills/Speaking)

भाषा सीखने का द्वितीय चरण 'मौखिक अभिव्यक्ति' है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। वह अपने विचारों का आदान-प्रदान करना चाहता है। इस कार्य के लिए वह भाषा के दो रूपों का प्रयोग करता है- मौखिक और लिखित रूप। ''जब व्यक्ति ध्वनियों के माध्यम से भाषा को उच्चरित करता है तो उसे मौखिक अभिव्यक्ति कहते हैं।'' इसे बोलचाल भी कहते हैं। अतः मुख से व्यक्त होने वाली भाषा मौखिक भाषा है।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के उद्देश्य –

- बोलने में उचित हाव-भाव, आरोह-अवरोह तथा नाटकीयता का निर्वाह करना।
- देखी व सुनी घटनाओं का वर्णन करना।
- हर्ष, शोक, क्रोध, आश्चर्य आदि अपने मनोभावों को भावपूर्ण ढंग से अभिव्यक्त करना।
- अपने विचारों को शुद्ध, स्पष्ट, रोचक तथा प्रभावपूर्ण ढंग से व्यक्त करना।
- विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
- विचार एवं भावानुकूल शब्दावली का चयन करने की कला सिखाना।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के विकास की विधियाँ – मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

1- प्रस्तुतिकरण
2- यात्रा वर्णन
3- पुस्तक समीक्षा
4- फिल्म समीक्षा
5- समाचार
6- स्वरचित रचना
7- उद्घोषणा
8- भाषण
9- चर्चा
10- एकांकी और नाटक

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल- 1

1- कक्षा में विद्यार्थियों के समक्ष अपनी पढ़ी हुई कहानी को अपने शब्दों में सुनाइए।

2- कक्षा में विद्यार्थियों के समक्ष किसी मनोरंजक घटना को अपने शब्दों में सुनाइए।

3- कक्षा में विद्यार्थियों के समक्ष अपनी किसी मनपसंद फिल्म के संवाद सुनाइए।

4- कक्षा में सभी के समक्ष एक मज़ेदार चुटकुला सुनाइए।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल– 2

दिए गए चित्र में सभी आपस में क्या बात कर रहे होंगे ?
सोचकर अपने सहपाठी के साथ चर्चा करो।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल– 3

चित्र का परीक्षण करके एक कहानी सुनाइए।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल– 6

मौखिक परीक्षण के अभ्यास हेतु कुछ विषय–

1– विद्यालय का पहला दिन
2– जीवन में पेड़ों का महत्त्व
3– मेरा मनपसंद त्योहार
4– बारिश के लाभ
5– किताब मेरी दोस्त
6– अगर मुझे खज़ाना मिल जाए ...
7– पशु–पक्षी के बिना की दुनिया
8– अगर परीक्षाएँ न हो तो.....
9– चिड़ियाघर की सैर
10– इंटरनेट मेरा साथी

मौखिक अभिव्यक्ति के मानदंड

मानदंड	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की आवश्यकता
बोधगम्यता	प्रस्तुति के सभी मुद्दे समझ में आए।	प्रस्तुति के अधिकतर मुद्दे समझ में आए।	प्रस्तुति के कुछ विचार और विवरण स्पष्ट थे।	प्रस्तुति के अधिकांश विचार और विवरण अस्पष्ट थे।
भाषा और वाक्य रचना	विवरण में संयुक्त वाक्यों का प्रयोग एवं विचारों में क्रमकिता	विवरण में सरल वाक्यों का प्रयोग एवं विचारों में क्रमकिता	विवरण करते समय वाक्य रचना शिथिल एवं विचारों में कहीं–कहीं क्रमकिता का अभाव	विवरण करते समय वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए नहीं थे। विचारों में क्रमकिता का अभाव
भाषा, शब्दावली का प्रयोग	व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों एवं मुहावरों का प्रयोग। दोहराव नहीं।	व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कहीं–कहीं पर दोहराव।	बुनियादी व्याकरण एवं कुछ नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कई स्थानों पर दोहराव।	बुनियादी व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का अभाव। कई स्थानों पर दोहराव।
प्रवाहिता एवं आधार	एक–दो बार ही नोट्स देखे। प्रस्तुति में कोई ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच नहीं।	कई बार नोट्स देखे। प्रस्तुति में कुछ ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच।	अक्सर नोट्स पर निर्भर। प्रस्तुति में बार–बार ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच	बिना नोट्स पढ़े बोलने में असमर्थ।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं मौखिक अभिव्यक्ति कर सकने में सक्षम हूँ।			
2	मैं मौखिक अभिव्यक्ति संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ।			
3	मैं प्रस्तुति करते समय समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता/सकती हूँ।			
4	मैं प्रस्तुति के विषय को समझकर नोट्स बनाने में सक्षम हूँ।			
5	मानदंड के आधार पर मैं अपनी मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ।			

दृश्य अवलोकन कौशल
(Viewing Skills)

भाषायी कौशल (Language Skills)

दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing skills)

हम एक ऐसी डिजीटल दुनिया में रह रहे हैं। हम चारों ओर से मोबाइल, कैमरा, इंटरनेट आदि से घिरे हुए हैं। अतः अब भाषा में चार कौशलों के साथ एक कौशल और आ गया है जिसे हम दृश्य अवलोकन कौशल कह सकते हैं।

दृश्य अवलोकन कौशल के उद्देश्य–

- विद्यार्थियों अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में निरीक्षण शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में विश्लेषण क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता का विकास करना।

दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की विधियाँ– दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं।

1– चित्र/तस्वीर दिखाकर 2– आकृति/प्रतीक दिखाकर

3– वीडियो दिखाकर 4– फिल्म/विज्ञापन दिखाकर

5– चित्रों से कहानी बनाकर 5– अलग–अलग चित्रों में अंतर ढूँढ़कर

दृश्य अवलोकन कौशल – 1

दिए गए चित्र का अवलोकन करते हुए किन्हीं आठ गलतियों पर गोला कीजिए।

दृश्य अवलोकन कौशल – 2

नीचे दिए गए चित्र का अवलोकन करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1– आरव क्या कर रहा है ?

2– चित्र में कुल कितने लोग हैं ?

3– शाश्वत क्या कर रहा है ?

4– कितने विद्यार्थी कुर्सी पर बैठकर काम कर रहे हैं ?

5– शिक्षिका के हाथ में किस रंग की पुस्तक है ?

6– मनन के पास कौन बैठा है ?

7– झंडा कहाँ लगा है ?

8– दरवाज़ा के ऊपर क्या लगी है ?

दृश्य अवलोकन कौशल – 3

दिए गए चित्रों को ध्यान से देखकर एक अनुच्छेद लिखिए।

दृश्य अवलोकन कौशल – 4

निर्देश– इस वीडियो को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

वीडियो की लिंक **https://youtu.be/h3ge7v3ymLk**

1– सबसे बुजुर्ग कछुए का नाम क्या है ?

क– जॉनसन

ख– जोनाथन

ग– पीटर

2– यह कुछुआ कितने साल का है ?

क– 90 साल का

ख– 290 साल का

ग– 190 साल का

3– इस कछुए का जन्म कब हुआ था ?

क– सन् 1832 के आसपास

ख– सन् 1732 के आसपास

ग– सन् 1932 के आसपास

4– इस कछुए के पसंदीदा खाद्य पदार्थ (भोजन) कौनसे हैं ? (कोई दो)

_____

5– जब रानी विक्टोरिया सिंहासन पर बैठी तब यह कछुआ कैसा था ?

क– एक बूढ़ा

ख– एक बच्चा

ग– एक युवा

6– एक रिपोर्ट के मुताबिक कछुए कितने साल तक ज़िंदा रह सकते हैं ?

क– 100 से 150 साल ख– 200 से 250 साल

ग– 150 से 200 साल

7– वैज्ञानिक, कछुए के इतने साल ज़िंदा रहने का कारण क्या मानते हैं ?

_____

8– कछुओं के जींस वेरिएंट क्या काम करते हैं ?

_____

दृश्य अवलोकन कौशल के मानदंड

मानदंड	सदैव	अधिकतर	कभी-कभी	सुधार की आवश्यकता
अवलोकन	चित्र/दृश्य का अच्छी तरह से अवलोकन किया है।	चित्र/दृश्य का अवलोकन किया है।	चित्र/दृश्य का आंशिक रूप से अवलोकन किया	चित्र/दृश्य का अवलोकन करते समय बहुत सी बातों की ओर ध्यान नहीं दिया।
समझ एवं तार्किकता	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ प्रभावकारी प्रस्तुति	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ सामान्य प्रस्तुति	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को समझकर की गई प्रस्तुति	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को बिना समझे की गई प्रस्तुति
पठन एवं अर्थग्रहण	चित्र/दृश्य को समझकर उसका उचित अर्थबोध करने में सक्षम।	चित्र/दृश्य को सही ढंग से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध अस्पष्ट।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं चित्र / दृश्य का सही प्रकार से अवलोकन कर सकता/ सकती हूँ।			
2	मैं चित्र / दृश्य को देखकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकता/ सकती हूँ।			
3	मानदंड के आधार पर मैं चित्र/ दृश्य का मूल्यांकन कर सकता/ सकती हूँ।			